केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपाल संभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाष क्रमांक 2550728(D.C.)
2551678 (. स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755-2553126
ई-मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो /

दिनांक 16.11.2015

प्रिय प्राचार्यगण,

आप जानते हैं कि हमारी सभ्यता में सफलता के गहन मंत्र व्याप्त हैं और हम प्रत्येक दिन उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। इसके लिए आवश्यक है–

1. किसी भी स्थिति में हमें स्वयं को असफलता की पटरी पर चलते रहने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।
2. हमारी अवधारणाएँ, हमारी छवि और हमारी शैक्षणिक सफलता ही हमारी वास्तविक संपत्ति है । इसे अर्जित करने का कठिन प्रयत्न करें ।
3. हमारी छवि ही है जो हमें जीवन में सफलता दे सकती है। इसलिए आइए असफलता के ढ़ांचे पर सफलता के युद्ध की उद्घोषणा करना सीख लें और अपने मस्तिष्क रूपी रण क्षेत्र के युद्ध में विजय के साथ शांति और आनंद की अनुभूति प्राप्त करें ।
4. हमारी पैदल सेना के अंधेरे में, झाड़ियों से रेंगते हुए,सीमा के पीछे दुश्मनों के विफल होने की आस में उनको खोजने के तरीके,हमारे विचारों की जागरूकता और मस्तिष्क की कल्पनाशीलता को व्यक्त करते हैं ।
5. जेट विमानों से सुसज्जित वायुसेना, हमारे सफलता के सिद्धांतों, लक्ष्य निर्धारण एवं उसकी कार्यविधियों को निरूपित करती है । उसके उत्थान के लिए हमारा कार्य है:–अपनी छवि, योग्यता एवं परिणामों का सशक्तिकरण।
6. हमारी नौसेना तब तक सफलता प्राप्त नहीं कर सकती, जब तक उसे विफलता रूपी दुश्मनों की जानकारी नहीं होती । जीवन संग्राम में जीत हासिल करने से पहले हमें अपने केन्द्रीय विद्यालयों में व्याप्त विफलता की कियाविधि को अपने दिमाग से हटाना आवश्यक है। विफलता को प्रकाश में लाना और उसका अनावरण आवश्यक है,चूंकि वह हमें मनुष्य रूप में सफलता के स्तर से नीचे खींच लेती है। आक्रमक आवेश हमारी छवि को बिगाड़ते हैं और हमारे विद्यार्थियों की आनंद की अभिलाषा जो वे हमारे केन्द्रीय विद्यालयों में हमसे प्राप्त करने की उचित अपेक्षा रखते हैं,का नाश करते हैं ।

विफलता को सफलता में बदलने के लिए–एक संग्राम की आवश्यकता है । पैने हथियारों के प्रयोग और कठिन प्रयत्नों से स्वयं को एक महत्वपूर्ण संग्राम के लिए तैयार करना है । सफलता को ही इस समय आप सबसे अधिक शक्तिशाली मान सकते हैं ।

इसलिए आइए असफलता पर एक युद्ध की घोषणा करते हैं। हम संकल्प लें कि हमारा लक्ष्य के0वि में विफलता का संपूर्ण विनाश है। उसके बाद सफलता और आनंद का अनुभव कर सही मायनों में जीवंत हों । इस असीम आनंद से अपने मन को भर लेना ही जीवन को संपूर्णता से जी लेने के लिए पर्याप्त है ।

अंततः यह आप पर है कि आप समय की मांग को समझें (कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के शतप्रतिशत परिणामों के लिए) कोई अन्य व्यक्ति आपके लिए सफल नहीं हो सकता। शैक्षणिक सफलता को अपने मन में गूढ़ रूप से बिठा लिजिए क्योंकि हमारे केन्द्रीय विद्यालयों से अब तक यह भाव कहीं गुम हो चुका है इसे वापस लाकर स्वयं को साबित करिए।

उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कक्षा 12 वीं एवं 10वीं के परिणामों में किसी भी प्रकार की असफलता स्वीकार्य नहीं है ।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 26.10.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है।

डा.(श्रीमती) बी.कौर
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय
भोपाल / आगरा संभाग